

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1--खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 61]

मई विल्ली, बुभवार, ग्राप्रेल 3, 1968/चेत्र 14, 1890

No. 61]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 3, 1968/CHAITRA 14, 1890

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकल्न के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April 1968

No. ERB-I/68 Co. 1/46.—Following the two Railway accidents at Yalvigi and Bharwari on the 19th and 30th March, 1968, the Minister for Railways announced in Parliament that a High Power Committee would be appointed to look into the causes leading to accidents on the Indian Railways, with particular reference to the implementation of the recommendations of the Railway Accidents Committee of 1962, headed by Shri H. N. Kunzru.

- 2. The Government of India have accordingly decided to constitute a Committee to be known as the Railway Accidents Inquiry Committee 1968, consisting of the following:—
 - (1) Shri K. N. Wanchoo, retired Chief Justice of India-Chairman.
 - (2) Shri M. R. Masani, Member of Parliament-Member.
 - (3) Shri S. R. Vasavada, President of National Federation of Indian Railwaymen—Member.

- (4) Shri F. C. Badhwar, retired Chairman, Railway Board-Member-
- (5) Shri P. B. Aibara, Commissioner of Railway Safety-Member.
- 3. The terms of reference of the Committee will be :-
 - (i) To review the position of accidents on the Indian Railways since the appointment of Railway Accidents Committee, 1962, in the light of recommendations made by it and the inplementation, thereof.
 - (ii) To suggest measures for further minimising the accidents.
- 4. The Committee will endeavour to complete their work as early as possible.

C. S. PARAMESWARAN, Secy.

रेलवे मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 3 श्रशैल, 1968

सं० ई ग्रार की 1/68 सी ग्रो 1/46:-19 ग्रीर 30 मार्च 1968 को यलिंगी ग्रीर भरवारी में दो रेल दुर्घटनाएं होने पर रेल मंत्री ने संसद् में घोषित किया कि भारतीय रेलों में दुर्घटनाग्रों के कारणों की विशेष रूप से श्री हृदयनाथ कुंजरू की श्रध्यक्षता में निर्मित रेल दुर्घटना समिति, 1962 की सिफारिशों के क्रियान्वयन के संदर्भ में जांच करने के लिए एक उच्चाधिकार समिति नियुक्त की जायेगी।

 तदनुसार भारत सरकार ने एक समिति गठित करने का विनिश्चय किया है जिसका नाम रेल दुर्घटना जांच समिति, 1968 होगा । इस समिति में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :

(1)	श्री के० एन० वांचू, भारत के सेवा-निवृत्त मुख्य न्यायाधीश .		श्रध्यक्ष
(2)	श्री एम० ग्रार० मसानी, संसद सदस्य		सदस्य
(3)	श्री एस० भ्रार० बसावड़ा, नेशनल फेडरेशन भ्राफ इंडियन रेलवमेन के		
	भ्रध्यक्ष		सदस्य
(4)	श्री एफ० सी० बधवार, रेलवे वोर्ड के सेवा निवृत्त ग्रध्यक्ष .		सदस्य
(5)	श्री पी० र्बा० ऐबारा, रेल संरक्षा ग्रायु क्त	•	सदस्य
	CC 2 C		

- इस समिति के विचारार्थ विषय इस प्रकार होंगे :---
 - (i) रेल दुर्घटना समिति, 1962 द्वारा की गयी सिफारिशों को घ्यान में रखते हुए उस समिति की नियुक्ति के बाद से भारतीय रेलों में दुर्घटनाश्रों की स्थिति श्रीर उसकी सिफारिशों के क्रियान्वयन की समीक्षा करना ।
 - (ii) दूर्घटनाम्रों में घौर कमी के लिए उपाय सुझाना ।
- यह समिति श्रपना कार्य यथा-संभव शोघ्र पूरा करने का प्रयास करेगी।
 सी० एस० परमेश्वरन, सचिव।